

18/6/20

पञ्जाब की आज्ञा काटी
 अधिकांश के, यथेष्टता पर
 पर प्रेम सुखी काटी
 वहीमे के राजस्व काट चुका
 दादा पिछो करके का प्रेम,
 किन्तु / काटीया उक्त काट
 के आगे चलाना न है
 चाहेनी के काटी का काट जाति
 किन्तु जातिन आज, आज के पञ्जाब
 पञ्जाब मुक्त होकर नमक के
 का होकर उपरल करिफ्तनी

red

सहायक कलक्टर
 एवं ज्वायंट अधिकारी
 बिलास